

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-268 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

समाचार

पायलट मच्छार को यूएई का बड़ा सम्मान

- राष्ट्रपति ने गले लगाया,दुबई प्रिंस ने की तारीफ

अबू धाबी (एजेंसी)। यूएई ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट को क़ैश से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को जायद 2-फर्स्ट क्लास से सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल

नाहयान ने मच्छार को गले लगाया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने स्मित को अपने देश की पहचान बताया। जायद-2,यूएई के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। फ्लाईदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छार ने 30 सितंबर को प्लेन क़ैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रही था। इस दौरान को-पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। राष्ट्रपति बिन जायद ने फ्लाइट के क्रू के सदस्यों को भी सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे। यूएई के नेताओं ने कैप्टन मच्छार और क्रू के सदस्यों की हिम्मत और जिम्मेदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल हालात में भी क्रू ने यात्रियों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कैप्टन स्मित मच्छार ने हिम्मत, जिम्मेदारी और इंसानी जान की परवाह करने की मिसाल पेश की।

- भारत और अमेरिका के बीच बड़ा रक्षा समझौता**
- राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री ने की बातचीत**
- मनीला (एजेंसी)।** अमेरिका और भारत के बीच 10 वर्षों के लिए जो डिफेंस प्लान पिछले साल तैयार किया गया था उसकी समीक्षा की गई है। फिलीपींस के मनीला में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों



नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच 10 सालों के लिए डिफेंस फ्रेमवर्क में आए डेवलपमेंट की समीक्षा की है। इस दौरान दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य तकनीक और हथियारों के संयुक्त उत्पादन को लेकर बात की गई है। फिलीपींस के सेबू में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और नये क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को लेकर चर्चा की है। आपको बता दें कि इससे पहले पिछले साल दोनों देशों के बीच इस डिफेंस फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए गये थे।

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकराईं, 39 की मौत

- एक ट्रेन ने दूसरी को पीछे से जबरदस्त टक्कर मारी



मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन में बुधवार को दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकरा गईं। स्पेनिश मीडिया के मुताबिक, हादसे में 39 लोगों की मौत की खबर है। स्पेनिश अखबार एल पाइस के मुताबिक, एक ट्रेन ने दूसरी को पीछे से टक्कर मारी। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर इमरजेंसी मेडिकल टीमें पहुंची हैं। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे हुआ। हादसे के बाद राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन बंद कर दी गई। एक ट्रेन सुबह 8 बजे मैड्रिड से सेविल के लिए खना हुई थी। इसी दौरान दूसरी ट्रेन उससे टकरा गई। रेल नेटवर्क चलाने वाली कंपनी एडिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ट्रेन हादसे की खबर सुनकर वे सदमे में हैं। उन्होंने बताया कि राहत और बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और हादसे में प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं।

आतंकी साजिश थी यहूदी प्रार्थनास्थल के पास आगजनी

- केरलम का मामला,हैंडलर के इशारे पर लगाई गई थी आग**

कोच्चि (एजेंसी)। केरलम के कोच्चि में ऐतिहासिक यहूदी सिनागॉग (प्रार्थनास्थल) के सामने 12 अक्टूबर को हुई आगजनी को पुलिस ने बड़े आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। पुलिस के

- हैंडलर को बड़े टारगेट के लिए खुद को साबित करना था**

मुताबिक, 32 साल के आरोपी एबिन पॉल ने यह आग लगाई थी। कोच्चि के पुलिस कमिश्नर कलिराज मंहेश कुमार ने कहा कि 12 अक्टूबर की सुबह किया गया हमला एक टेस्ट केस था। आरोपी को पहले कोच्चि में खुद को साबित करने के लिए कहा गया था। इसी के चलते पॉल ने पेट्रोल



डालकर आग लगाने के बाद अपने मोबाइल पर घटना का वीडियो भी बनाया था। इसके बाद उसे अन्य राज्यों में बड़े हमलों की जिम्मेदारी देने की योजना थी। कमिश्नर के

मुताबिक, इसमें एक से ज्यादा लोग शामिल थे। एक हैंडलर ने पॉल को खास काम दिए थे, और उसे क्रिप्टोकॉरेंसी के जरिए पैसे भेजे गए थे।

हरदीप सिंह पुरी एमपी से जाएंगे राज्यसभा

- एल.मुरुगन के इस्तीफे के बाद बीजेपी ने बनाया उम्मीदवार**

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट के लिए उपचुनाव होने हैं। यह सीट केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। बीजेपी ने इस सीट के लिए नाम की घोषणा कर दी है। बीजेपी की ओर से केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है। दरअसल, एल मुरुगन का



कार्यकाल 2030 तक बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के बाद एमपी से राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई थी। राज्यसभा सीट खाली होने के बाद अटकलें थीं कि इस बार पार्टी राज्य के ही किसी नेता को मौका देगी। लेकिन फिर से बाहरी को मौका दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाया है। हरदीप सिंह पुरी अभी मोदी सरकार में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और पेट्रोलियम मंत्री हैं। वह भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे हैं। पुरी 2014 में बीजेपी में शामिल हुए थे। अभी वह यूपी से राज्यसभा के सांसद हैं। मध्य प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन की शुरुआत हो गई है। नामांकन दाखिल करने की आंतिम तारीख पांच नवंबर को है।

‘अर्नब’ ने आंध्र-ओडिशा में ढाया ‘कहर’

- 3 लोगों की मौत, 57 हजार लोग किए गए शिफ्ट**
- 50 ट्रेनें-21 फ्लाइट रद्द,एमपी-यूपी में भी अलर्ट**

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ मंगलवार देर रात 3.30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से

टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश में 3 मौतें हुई हैं। राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचा। 57 हजार लोगों को शिफ्ट किया गया है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गईं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। यहां 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000

साइकलोन शेल्टर बनाए गए हैं। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8.30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी



करीब 18 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुना से ज्यादा है। यहां जुलाई में औसतन 133 मिमी बारिश होती है।

मछलीपट्टनम से बालासोर तक समुद्र का रौद्र रूप- आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में तेज हवाओं और भारी बारिश से मौसम खराब है। वहीं, ओडिशा के



बालासोर स्थित उदयपुर बीच पर समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। पूर्वी तट पर अलग-अलग जगहों के इन हालातों से हम समझ सकते हैं कि चक्रवात का असर केवल एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं है।

केंद्रीय कर्मचारियों को मोदी सरकार का दीवाली गिफ्ट

- डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को कैबिनेट ने दी मंजूरी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स का महंगाई भत्ते (डीए) व महंगाई राहत को लेकर इंतजार खत्म हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को डीए और डीआर में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को सरकार की ओर से दिवाली से पहले ही बड़ा गिफ्ट मिल गया है। देश के 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को इसका फायदा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। डीए में 3 फीसदी बढ़ोतरी के साथ अब यह 60 फीसदी से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। सरकार ने डीए और डीआर में बढ़ोतरी के लिए 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर तय फॉर्मूले को अपनाया है।



- 6वें और 5वें वेतन आयोग वालों को भी राहत**

सरकार ने 6वें और 5वें वेतन आयोग के वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। ये बढ़ोतरी भी 1 जुलाई 2026 से लागू होगी। महंगाई भत्ते के अलावा कैबिनेट ने कई अन्य योजनाओं को भी मंजूरी दी है। कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग योजना- इसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुरुस मैन्युफैक्चरिंग योजना: इस योजना पर 1,856 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना: इसके लिए 7,395 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

- एमएलसी चुनाव**

बीजेपी काशी में हारी यूपी की 5 सीटें जीती

बिहार में 4 सिटिंग एमएलसी हारे,कांग्रेस कर्नाटक में शून्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों की 28 एमएलसी सीटों के नतीजों में बिहार में बड़ा उलटफेर हुआ है। यहां भाजपा के पांच बार के एमएलसी नवल किशोर यादव समेत चार सिटिंग एमएलसी चुनाव हार गए। जन सुराज ने दरभंगा शिक्षक सीट जीतकर विधान परिषद में खता खोला। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 5 सीटों पर कब्जा किया, जबकि वाराणसी शिक्षक सीट सपा के खते में गई। कर्नाटक की चारों सीटें भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने जीत लीं। यहां कांग्रेस ने एक सीट गंवा दी। महाराष्ट्र में 5 सीटों पर काउंटिंग जारी है, जहां महायुति 3 और एनसीपी (शरद) 2 सीटों पर आगे है। यूपी में गोरखपुर में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी की बढ़त लगातार कम हो रही है। निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं।



एमएलसी चुनाव हार गए। जन सुराज ने दरभंगा शिक्षक सीट जीतकर विधान परिषद में खता खोला। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 5 सीटों पर कब्जा किया, जबकि वाराणसी शिक्षक सीट सपा के खते में गई। कर्नाटक की चारों सीटें भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने जीत लीं। यहां कांग्रेस ने एक सीट गंवा दी। महाराष्ट्र में 5 सीटों पर काउंटिंग जारी है, जहां महायुति 3 और एनसीपी (शरद) 2 सीटों पर आगे है। यूपी में गोरखपुर में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी की बढ़त लगातार कम हो रही है। निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

सुखा प्रभावित गांवों में कर्ज की परेशानी

यह घटना नांदेड जिले के कुछ हिस्सों में किसानों की आर्थिक परेशानी के बीच हुई है। जिले के कई गांवों में सूखे जैसी स्थिति बताई जा रही है। एसपी से पूछा गया कि क्या सूखा प्रभावित इलाकों में किसानों से लोन वसूली को लेकर फाइनेंस कंपनियों के लिए कोई खास गाइडलाइन जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। हालांकि, जिला कलेक्टर के साथ बैठक की गई है। एसपी ने कहा, अगर कहीं गैरकानूनी तरीके से लोन वसूली हो रही है, तो नागरिक सामने आएंगे। उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जयकुमार उर्फ भैया भगवान गायकवाड़ (22), शेख आमिर शेख साहेब हुसेन (25), इमरान खान शाहबाज खान (40) और शेख मुदरिसर शेख खादर (24) को गिरफ्तार किया है। रिकवरी एजेंटों की गिरफ्तारी और मुख्य आरोपी के फरार होने के दावे पर एसपी ने इसे गलत बताया। उन्होंने कहा कि एसटीएफ सभी लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। जब एसपी से पूछा गया कि शिंदे की मौत आत्महत्या है या हत्या, तो उन्होंने जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस बारे में विवरण नहीं दिया जा सकता।

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में

40 साल के किसान चंद्रकांत शिंदे का शव मिला है। शव निजी फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में मिला। परिवार और ग्रामीणों का आरोप है कि लोन की किस्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट्स ने चंद्रकांत को किडनैप किया था। तीन दिन बाद उनका शव मिला। चंद्रकांत शिंदे नांदेड जिले के मुदखेड तहसील के मलकोठ गांव के रहने वाले थे। पत्नी की शिकायत के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम को दो अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक मोटरसाइकिल पर बैठया और फाइनेंस कंपनी ऑफिस ले गए। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। नांदेड एसपी के मुताबिक पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें फाइनेंस ऑपरेशन चलाने वाला मुख्य आरोपी असलम भी शामिल है। मामले की जांच के लिए 9 सदस्यों की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई। फाइनेंस कंपनी का ऑफिस सील कर दिया गया है और तीन जगह छापेमारी की गई है।

- 3 दिन बाद फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में लाश मिली, 5 गिरफ्तार**

किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र पहले नंबर पर



मराठवाड़ा (यवतमाल, अमरावती, नांदेड, बीड) में 80 फीसदी से ज्यादा केस में आत्महत्या का कारण फसल खराब होना, निजी साहूकार/फाइनेंस कंपनी का कर्ज होता है। किसानों की कैश क्रॉप (कपास, सोयाबीन) पर निर्भरता है, यानी इनकी इनपुट कॉस्ट ज्यादा, इसलिए साहूकार से 24-36 फीसदी ब्याज पर लोन लेते हैं। महाराष्ट्र में अवैध साहूकारी और जबरन वसूली के केस 2023 में 1247 थे। नांदेड जिले में ही पिछले 2 साल में 9 किसान लोन रिकवरी एजेंटों द्वारा मारपीट/बंधक बनाने की एफआईआर हुई है।

किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है।

डेटा के मुताबिक 2023 में पूरे भारत में खेती-किसानी से जुड़े कुल 10,786 आत्महत्या के मामले सामने आए थे। इसमें से अकेले महाराष्ट्र में 4,151 केस थे। इनमें 4690 किसान थे और 6096 खेत मजदूर थे। आंकड़ों के कारण के आधार पर डेटा नहीं देता, पर महाराष्ट्र सरकार की रेवेन्यू डिपार्टमेंट की रिपोर्ट कहती है विदर्भ-मराठवाड़ा (यवतमाल, अमरावती, नांदेड, बीड) में 80 फीसदी से ज्यादा केस में आत्महत्या का कारण फसल खराब होना, निजी साहूकार/फाइनेंस कंपनी का कर्ज होता है। किसानों की कैश क्रॉप (कपास, सोयाबीन) पर निर्भरता है, यानी इनकी इनपुट कॉस्ट ज्यादा, इसलिए साहूकार से 24-36 फीसदी ब्याज पर लोन लेते हैं। महाराष्ट्र में अवैध साहूकारी और जबरन वसूली के केस 2023 में 1247 थे। नांदेड जिले में ही पिछले 2 साल में 9 किसान लोन रिकवरी एजेंटों द्वारा मारपीट/बंधक बनाने की एफआईआर हुई है।

व्रत से परे करवा चौथ: प्रेम, परवाह और साझेदारी का पर्व

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

भारतीय संस्कृति में नारी के प्रेम और संकल्प का महापर्व

करवा चौथ

(करवा चौथ (29 अक्तूबर) पर विशेष)

करवा चौथ पर्व का भारत की गौरवशाली संस्कृति में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है ‘करवा चौथ’ व्रत, जो 29 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्घ्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उदापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरुष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्घ्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यंत अपने पति के प्रति तन, मन,

वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार ‘करवा चौथ’ व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपावास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियां ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई।

करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो

श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्घ्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की



विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें ‘करवा चौथ’ व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरुआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित ‘सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति’ पुस्तक के लेखक हैं)

(यह लेखक के व्यक्‍तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ‍ निवार्य नहीं है)

पैंच ट्रिप... जंगल से डर नहीं लगता साहब, शहर से लगता है

(लेखक- डॉ.(मेजर) मनोज राजे)

शहर के जंगलीपन और रूटीन दिनचर्या से तंग आकर मन में वैराग्य की एक हूक-सी उठी। गहन चिंतन, विचार और मंथन के बाद आत्मबोध हुआ और न जाने कहीं से मेरे पापी मन में यह विचार आया कि अब जंगल जाने का वक्त आ गया है। लेकिन चूँकि घर-परिवार, नौकरी और बैंक की किस्तें अभी बाकी हैं, इसलिए परमानेंटली जाना तो संभव नहीं था। सोचा, पहले वानप्रस्थ का एक शॉर्ट ट्रायल ही ले लिया जाए। इसी विचार के चलते हम मोगली लैंड यानी पेंच के जंगलों में पहुँच गए।

सचमुच, जंगल शहर से कम जंगली था— शांत, सुकून भरा और बेतरतीब होकर भी व्यवस्थित।

जंगल में दाखिल होते ही सबसे पहले धर्म-कर्म के भ्रम से मुक्त हिरणों का चरता हुआ झुंड मिला, जो बड़े सुकून और सलीके के साथ खाना खा रहा था। शायद उन्हें हमारे उच्चस्तरीय सामूहिक भोज यानी बफेट, सिस्टम की जानकारी नहीं थी, जहाँ एक-दूसरे को धकियाकर खाने तक पहुँचना पड़ता है। कई बार इतनी जड़ोजहद के बाद जब प्लेट में सब्जी होने के बावजूद पुड़ी या रोटी का इंतजार करना पड़ता है, तो उस समय जीवन का पहला और अंतिम उद्देश्य बस कुछ अतिरिक्त रोटियाँ या पूँडियाँ हासिल करना रह जाता है।

भरे और बड़े पेट वाले लोगों को पता नहीं, ऐसे भोज में इतनी अनकंट्रोल्ड भूख कहीं से आ जाती है! लेकिन हिरणों के इस झुंड के पास न केवल खाने के लिए पर्याप्त था, बल्कि खाने का सलीका भी था। न जाने ये ससुरे कहीं से सीखकर आए थे! देखने और दिखाने के चक्कर से दूर, बस खाने में मग्न थे। जिप्सी की आवाज सुनकर दो-चार ने हमारी तरफ देखा भी और फिर ‘ऐसी-तैसी में जाओ’ वाले भाव के साथ दोबारा चरने लग गए।

आगे चलने पर बायसन यानी गौर के बाप-बेटे के दर्शन हुए। दर्शन इसलिए कहा, क्योंकि ये गाय के परिवार के सदस्य हैं और अगर शहर में

गाय पूजननीय है, तो माहौल को देखते हुए इन्हें भी यहाँ पूजनीय रहने दिया जाए। वैसे, बंगाल और बिहार के चुनावों के चलते एक विद्वान प्रवक्ता ने कहा था कि मिथुन यानी बायसन को खाना खा सकता है।

बायसन के बाप के चेहरे पर गंभीरता और तनाव नजर आ रहा था। शायद युवा बायसन की हरकतों से वह उसके भविष्य को लेकर परेशान होगा। वही दूसरी ओर, इन सब बातों से बेपरवाह युवा बायसन अपनी उछल-कूद में मस्त था।

सफारी के दौरान दूसरी जिप्सियों में ऊँघते हुए कई जैन-जी भी नजर आए, जिन्हें उनके माँ-बाप ने सफारी के पैसे वसूलने के लिए सुबह-सुबह जल्दी उठा दिया था। आलसी, सुस्त जैन-जी को देखकर लगा ही नहीं कि यह वही पीढ़ी है, जिसने सत्ता की नाक में दम कर शेर के हैं!

सफारी के दौरान शेर की तलाश लगातार जारी रही। शेर के पंजों के निशान हर जगह मिले, लेकिन शेर भी ईश्वर की तरह ज्यादातर अदृश्य ही रहा। मिला भी तो तालाब के दूसरी तरफ, इतनी दूर कि उसके होने का भ्रम बना ही रहा— कि शायद ‘शेर ही है!’

एक धीमा-ढीला, आलसी-सा तेंदुआ भी दिखा। उसे देखकर लगा ही नहीं कि यह किसी को फाड़कर खा जाता होगा।

बहुत सारे बंदर-बंदरिया समुदाय के लोग भी मिले, लेकिन उन्होंने फोटो खिंचवाने से मना कर दिया। इसलिए शेरघर की गई तस्वीरों में आपको बंदरों की तस्वीर नहीं मिलेगी। संभवतः बंदरों के मुखिया ने फोटो खींचने-खिंचवाने पर प्रतिबंध लगा रखा होगा। शायद उसे डर रहा हो कि अगर बंदरियों को सत्त्वकी की लत लग गई, तो बंदर बिरादरी की बेफिक्र, अल्टर्ड उछल-कूद बंद हो जाएगी। फिर बंदर समाज भी सोशल मीडिया पर देखने-दिखाने के चक्कर में फँसा रहेगा।

रेस्ट हाउस में आजाद सिंह डबास सर और सुनील बोरासे जी के किस्सों ने माहौल को खुशनुमा और मजेदार बनाए रखा। जिन लोगों ने जीवन में सक्रियता और संघर्ष से कुछ हासिल किया होता है, उनके पास अतीत के बहुत सारे किस्से होते हैं। अतीत हमेशा यादगार और भविष्य

हमेशा सुनहरा नजर आता है। इस चक्कर में वर्तमान उपेक्षित रह जाता है। इसलिए अभी कुछ दिन इन लोगों से दूर रहना ठीक होगा, ताकि गौरवशाली अतीत की स्मृतियों से निकलकर वर्तमान की वास्तविकता का सामना कर सकूँ।

पाँच दिन के वानप्रस्थ ट्रायल के बाद जंगल से वापस लौट आया हूँ। लेकिन अब जंगल से ज्यादा शहर डरावना और खतरनाक लगता है। पता नहीं, कब कौन मेरी कार के आगे आकर अपने प्राण देकर मुझे अपराधी बना दे या कौन-सी टिंरों मेरी कार को ऐसा गहरा जख्म दे जाए, जिसे भरने में हजारों रुपये लग जाएँ यानि जंगल से ज्यादा खतरा सड़क पर है! अभी बाहर निकलने से पहले भी दस बार सोचना पड़ रहा है। त्योहारों के नाम पर पूरा शहर जाम हो रखा है। घर से निकलते हुए डर लगता है कि पता नहीं, गंतव्य तक पहुँचने में कितनी देर लगेगी। डीजे का शोर ही आजकल असली भक्ति है। हमारे ऋषि-मुनि और तपस्वी तो शायद पापी रहे होंगे, जो घुघुचाप बैठकर शांति से ध्यान लगाया करते थे! बेचारे इस बात से अनजान थे कि असली भक्तिभाव तो डीजे के शोर से ही पैदा होता है!

आज धर्म और संस्कृति उन हुड़दगियों के हवाले हैं, जिनका असली भगवान सत्ता में बैठे उनके आका हैं और जिनके नाम पर यह सब खेल चल रहा है। शायद असली धर्म के समर्थक इस स्थिति पर कहीं रो रहे होंगे और सोचते होंगे—‘हमने यह धर्म तो नहीं चाहा था!’ लेकिन ऐसी बात कहकर देखिए, लोग मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं, इससे ज्यादा जंगलीपन क्या होगा! तो कुछ मिलाकर स्थिति यह है कि अब जंगल से डर नहीं लगता, साहब, शहर से लगता है!....

दूसरी ट्रिप जल्द हीज!

(लेखक पेशे से चिकित्सक एवं भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी हैं, सामाजिक संगठन बहुजन इंटेलिजेंट के संस्थापक हैं)

(यह लेखक के व्यक्‍तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ‍ निवार्य नहीं है)

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्या देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरुषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूँढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली

से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग सादेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग सादेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि सादेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुःख प्राप्त करता है। जब तक कर्मों का फल समूहण नहीं होता है तब तक जीवन मरण का चक्र चलता रहता है। जो लोग सुख की अभिलाषा करते हैं उन्हें बार-बार जन्म लेकर दुःख सहना पड़ता है। इसलिए दुख से बचने का एक मात्र उपाय यह है कि दुःख सह कर भी ईश्वर से शिकायत न करो, सुख अपने हिस्से में स्वयं आ जाएगा।

संपादकीय

पराली की तपिश

पत्रकारिता के पेशे में मीडियाकर्मों का नैतिक दायित्व होता है कि वह किसी खोजपूर्ण खबर में सहायक स्रोत की सुरक्षा और विश्वास को कायम रख सके। अपने गोपनीय स्रोत की सुरक्षा का वायदा सुनिश्चित करना महज एक पेशेवर शिष्टाचार नहीं है, सही मायने में यह खोजी पत्रकारिता की बुनियाद भी है। यदि जनहित के लिए महत्वपूर्ण गोपनीय सूचना देने वाले का भरोसा खत्म होगा तो भ्रष्टाचार और जन-विरोधी कार्यों में लिप्त लोगों के गलत कार्यों का खुलासा करने वाले लोग आगे नहीं आएंगे। यानी हिंसलब्लोअर किसी गंभीर कदमचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं। यदि जनहिात के लीे गोपनीयता भंग होती है, तो गलत कामों के वास्तविक तथ्य कभी भी सामने नहीं आ पाएंगे। बहुत संभव है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतंत्र के हित में, जनता को जानने योग्य जरूरी जानकारी से वंचित होना पड़ सकता है। इस विषय के महत्व की गंभीरता के चलते ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में देश के ‘डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट’ यानी डीपीडीपी को चुनौती दी गई। जिसने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को सार्वजनिक विमर्श में ला दिया है। यही वजह है कि डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने चेताया है कि इस कानून के प्रावधान किसी मीडियाकर्मों के गोपनीय स्रोतों को सार्वजनिक कर सकते हैं। जो स्वतंत्र समाचार संग्रहण और इस बाबत जांच-पड़ताल में बाधक साबित हो सकते हैं। इस समस्या का चिंताजनक पहलू यह भी कि सरकार के पास नागरिकों की निजी सूचना एकत्र करने वाली संस्थाओं से जानकारी हासिल करने के अधिकार हैं। जिससे उन लोगों की पहचान उजागर हो सकती है जो भरोसे के चलते ही पत्रकारों के पास आते हैं। निश्चय ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी बंदिशें लाने से मीडिया की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संदर्भ में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद, कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 17 नवंबर तय की है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में निजता की सुरक्षा बनाये रखना बहुत आवश्यक है। निस्संदेह, नागरिकों को उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने से बचाया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि निजता की सुरक्षा के लिये बनाया गया कोई कानून प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ताधीशों के लिये ऐसा जरिया नहीं बन जाना चाहिए, जो तथ्यों की तलाश व जांच-पड़ताल में बाधक बने। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कॉर्पोरेट में होने वाली गड़बड़ियों की पड़ताल अकसर ऐसे लोगों पर निर्भर करती है, जो बड़े निजी जोखिम को उठाकर भी वास्तविक तथ्य देश व समाज हित में बताने को राजी होते हैं। ऐसे में यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उनकी पहचान उजागर हो जाती है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर इसका व्यापक प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिर जोखिम उठाकर सूचना देने वाले लोग, ऐसा करने से कतराने लगते हैं। इससे जुड़ा एक वास्तविक पहलू यह भी है कि अपने स्रोत की सुरक्षा का अधिकार पत्रकारों को बिना किसी जवाबदेही के काम करने की छूट नहीं देता है।



विचार मंथन

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी का प्रवाह विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इसके साथ जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फॉरैन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर) बॉन्ड इसी संदर्भ में चर्चा का विषय बन गया है। इस बॉन्ड के माध्यम से अनिवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा में भारत के बैंकों में बांड के रूप में डॉलर जमा कराए गए हैं। इसका भुगतान 3 और 5 वर्ष में मूल और ब्याज डॉलर के रूप में करना होगा। परिपक्वता के बाद भुगतान करने पर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती मिल सकती है। उदय कोटक ने इस मामले में चिंता व्यक्त करते हुए सरकार को चेतावनी दी है। सरकार ने बांड के जरिए निश्चित अवधि के लिए जो

राशि जमा कराई है इसका प्रबंधन अभी से रिजर्व बैंक और संबंधित बैंकों को करना होगा। अगले 5 वर्षों में 170 से 180 बिलियन डॉलर की राशि ब्याज सहित बैंकों को लौटना होगी। 3 साल की समय अवधि 2029 में पूरी हो रही है। दूसरी अवधि 2031 में पूरी होगी। इस पूरी राशि को विदेशी मुद्रा में ही ब्याज के साथ लौटना होगा। इस अवधि को ना तो बढ़ाया जा सकता है और ना ही इसे किसी तरह से टाला जा सकता है।

उदय कोटक का कहना है कि सरकार ने विदेशी निवेश तो ले लिया है, लेकिन इसके लिए अब प्रोफेशनल तरीके से प्रबंधन करने की आवश्यकता है। मूल राशि और ब्याज का तय समय पर भुगतान हो इसके लिए अभी से भारत सरकार रिजर्व बैंक और संबंधित बैंकों को प्रबंध करना होगा। यदि ऐसा नहीं किया

गाय तो 2029 में भारी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था में कई बड़ी चुनौतियां हैं। बाजार में कच्चे तेल के दाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बढ़ रहे हैं। सोने का आयात बिल भी लगभग 80 से 90 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष का है। जीडीपी में 2.5 फीसद से लेकर तीन फीसद तक राजस्व घाटे का अनुमान है। विदेशी पोर्टफोलियो से निवेशकों द्वारा लगातार रकम निकाली जा रही है। विदेशी मुद्रा भंडार में इसका बड़ा असर देखने को मिल रहा है। जिस तरह से आयात बढ़ रहा है, उस मुकाबले में भारतीय वस्तुओं का निर्यात नहीं बढ़ पा रहा है। विदेशी मुद्रा और रुपए के बीच में संतुलन लगातार बढ़ रहा है। इसका असर विदेशी मुद्रा भंडार में भी देखने को मिल रहा है। जिस तरह की वैश्विक

स्थितियां बन रही हैं उसको देखते हुए, फॉरैन करेंसी नान रेजिडेंट बांड भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होंगे। भुगतान पर डॉलर और भारतीय रुपए की विनिमय दर का जोखिम बैंकों की वित्तीय व्यवस्था पर पड़ता है। यदि भारतीय रुपया कमजोर होता है, तो बैंकों को इन दायित्वों को चुकाने के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इससे बैंकों की लागत बढ़ सकती है और विदेशी मुद्रा बाजार पर दबाव बढ़ता है।

भारत में एफसीएनआर जमा की परिपक्वता एक साथ होने पर विदेशी मुद्रा की मांग अचानक बढ़ना तय है। उस समय वैश्विक बाजारों में अस्थिरता हो, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हों, विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हों, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। प्रवासी भारतीय हर साल जो

विदेशी मुद्रा भारत भजते हैं, यदि उसमें कमी आती है, इस स्थिति में रुपये पर दबाव बढ़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार में हस्तक्षेप कर विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल करना पड़ता है। भारत के पास अभी पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है। अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा है। बैंकिंग व्यवस्था अभी मजबूत है। एफसीएनआर में जमा का उपयोग बैंक, विदेशी मुद्रा ऋण देने और अपने जोखिमों की हेंजिंग के लिए भी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक और बैंकों को अभी से भुगतान के समय का जोखिम का प्रबंध कर लेना चाहिए। विदेशी मुद्रा में जो भुगतान किया जाना है, उसकी निगरानी मजबूत होना जरूरी है। भारतीय बैंकों ने इन्जी मनी के रूप में विदेशी मुद्रा में बड़ी देनदारियां स्वीकार की हैं। उनके मुकाबले पर्याप्त विदेशी मुद्रा की तैयारी अभी से करके

चलना पड़ेगी।

डॉलर एवं विदेशी मुद्रा की विनिमय दर में तेज उतार-चढ़ाव बैंकों की वित्तीय स्थिति को बैंकों को भुगतान के समय संकट में डाल सकता है। इसलिए बैंकों का जो जमा राशि और विदेशी मुद्रा के संतुलन को बनाए रखना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक को भी एफसीएनआर जमा की अवधि, ब्याज दर, हेंजिंग और परिपक्वता से जुड़े जोखिमों पर लगातार नजर रखनी होगी। भारत की अर्थव्यवस्था में कई बड़ी चुनौतियां हैं। राजकोषीय घाटा, महंगाई, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता और विदेशी पूंजी निवेशकों द्वारा निकलने से वर्तमान स्थिति में जोखिम बनता हुआ दिख रहा है। सरकार और रिजर्व बैंक को एफसीएनआर बॉन्ड को लेकर अभी से सावधानी बरतनी चाहिए।

ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाएं जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें
शक्तिकांत ने बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए पांच प्राथमिकताओं को किया रेखांकित
नई दिल्ली ।

मुंबई में बीएफएसआई इनसाइट समिट में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने देश में बड़े बैंकों के निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के और ज्यादा एकीकरण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुए बैंकों के विलय से एक ठोस आधार तैयार हुआ है और अब अगला लक्ष्य ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाना होना चाहिए जो जटिल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए मुख्य रूप से पांच प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है। इनमें विशालकाय संस्थानों का निर्माण, कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को गहरा बनाना, म्युनिस्पल बॉन्ड व्यवस्था को मजबूत करना, बीमा कवरेज का विस्तार और पेंशन की पहुंच को हर नागरिक तक पहुंचाना शामिल है। जानकारों के मुताबिक बड़े बैंक बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण और वैश्विक आर्थिक झटकों को सहने में ज्यादा सक्षम होते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऋण विस्तार को बढ़ावा देना, दीर्घकालिक बचत जुटाना और विनिर्माण क्षेत्र को गति प्रदान करना है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली की स्थिति काफी मजबूत है और यह पुराने फंसे कर्जों से उबर चुकी है। मार्च 2026 तक अनुसूचित वार्षिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर कई दशकों के निचले स्तर 1.8 फीसदी पर आ गया है, जबकि शुद्ध एनपीए घटकर मात्र 0.4 फीसदी रह गया है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और अपूर्ति श्रृंखला में आने वाली रुकावटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर स्थिरता का प्रदर्शन किया है। उद्योगों को मिलने वाले बैंक ऋण में भी सालाना आधार पर करीब 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जो निजी कॉरपोरेट निवेश चक्र में सुधार का संकेत देती है। जानकारों का कहना है कि भारत के निजी ऋण घनत्व को बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में ऋण की पहुंच बढ़ानी होगी। साथ ही सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों को अधिक वित्तीय सहायता देकर आर्थिक समावेशन को मजबूत किया जाना जरूरी है।

एआई कारोबार ने बढ़ाई चीन के उद्योगपति झांग यिमिंग की संपत्ति, बने सबसे अमीर
ज़ांग की कुल संपत्ति बढ़कर करीब 100 अरब अमरीकी डॉलर पर पहुंची
बीजिंग।

चीन में शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडॉस के संस्थापक झांग यिमिंग फिर चीन के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ताज़ा रैंकिंग रिपोर्ट के मुताबिक एआई क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास के चलते झांग यिमिंग की कुल संपत्ति रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। झांग यिमिंग की कुल संपत्ति बढ़कर करीब 100 अरब अमरीकी डॉलर हो गई है। पिछले एक साल के अंदर उनकी संपत्ति में करीब 43 फीसदी का भारी उछाल आया। उनकी इस वित्तीय सफलता के पीछे बाइटडॉस का तेजी से बढ़ता एआई कारोबार और उनका एआई असिस्टेंट दौबाओ मुख्य वजह है, जो वर्तमान में चीन में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले एआई टूल्स में शामिल हो चुका है। बाइटडॉस टिकटॉक के अलावा चीन के घरेलू बाजार में दौयिन नाम से बेहद लोकप्रिय प्लेटफॉर्म संचालित करती है।रिपोर्ट के मुताबिक चीन में रियल एस्टेट और पारंपरिक उद्योगों से जुड़े उद्योगपतियों की संपत्ति में गिरावट देखी जा रही है, जबकि सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और एआई तकनीक से जुड़े उद्यमियों की दौलत में तेजी से इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी
नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेली की कीमतों में तेजी आई है। तेल की कीमतों में ये बढ़त ईरान के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर हमले के बाद आई हैं। इससे तेल की सप्लाई पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में ब्रेट क्रूड का वायदा भाव 1.48 डॉलर बढ़कर 115.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं अमेरिकी बास्केट का डब्ल्यूटीआई तेल भी 1.22 डॉलर बढ़कर 101.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इससे पहले मॉलतवार को तेल का भाव करीब 2 डॉलर कम हो गया था, लेकिन हमले के बाद यह फिर से बढ़ गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछल ऐसे समया आया जब अमेरिका में क्रूड का स्टॉक बढ़ता जा रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में पिछले सप्ताह क्रूड का उत्पादन 15 हजार बैरल से भी ज्यादा बढ़ा है पर ताजा हमलों ने इसके उत्पादन पर संकट के बादल दिखाए जिससे कीमतों पर फिर से दबाव बढ़ा. ओपेक और अन्य सहयोगी देशों ने दिसंबर तक अपने तेल उत्पादन को बढ़ाए रखने का अनुमान लगाया था।

टाटा समूह विवाद पर राजनीतिक घमासान तेज, राहुल के निशाने पर मोदी सरकार

मुंबई । देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में से एक, टाटा समूह के भीतर चल रही खींचतान अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच नेतृत्व, कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने और कामकाज के तरीकों को लेकर उपजे विवाद पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस प्रमुख उद्योग समूह को आपराधिक

तरीके से नुकसान पहुंचाया जा रहा है और डर के माहौल के कारण

इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। मुख्य रूप से,

करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी

और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख

बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 352, निफ्टी 50 अंक गिरा
मुंबई । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 352.64 अंक टूटकर 73,246.03 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 50.90 अंक नीचे आकर 22,698.85 पर बंद हुआ। हालांकि, यह गिरावट मुख्य रूप से बड़े पूंजीकरण वाले शेयरों तक ही सीमित रही, जबकि छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में तेजी रही। बाजार में जहां लार्जकैप शेयरों में दबाव रहा, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 244.80 अंक की तेजी के साथ 57,274.70 पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी 166.20 अंक की बढ़त लेकर 18,634.90 पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशक मजबूत आधार वाली मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में अवसरों की तलाश में हैं। सेक्टरल इंडेक्स में, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा ने शानदार प्रदर्शन किया और वे सबसे अधिक लाभ में रहे। इनके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर कुछ प्रमुख सेक्टरों में भारी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी

लार्ज कैप फंड्स- सुरक्षित निवेश की अवधारणा और बाजार का यथार्थ
मुंबई ।

निवेशक अक्सर लार्ज कैप म्युचुअल फंड्स को सुरक्षित निवेश का पर्याय मानते हैं, लेकिन शेयर बाजार की बड़ी गिरावट से ये फंड भी पूरी तरह अछूते नहीं रहते है। हाल ही में सितंबर के महीने में निफ्टी 100 इंडेक्स में 5.95 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, इसके बावजूद निवेशकों ने लार्ज कैप फंड्स पर भरोसा जताकर 859 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया, जो उनकी निरंतर अवधारणा को दिखाता है। ये फंड्स अपनी कुल परिसंपत्ति का करीब 80 प्रतिशत बाजार की 100 सबसे बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। जानकारों का मानना ​​है कि मजबूत कारोबार वाली बड़ी कंपनियां भी आर्थिक मंदी या वैश्विक झटकों के प्रभाव से पूरी तरह बच नहीं सकतीं। यदि किसी शेयर का मूल्य/कन उसकी वास्तविक आय से कहीं अधिक हो, तब बाजार सुस्त पड़ने पर उसमें बड़ी गिरावट आ सकती है। हालांकि, स्मॉल और मिड कैप फंड्स की तुलना में इसमें उतार-चढ़ाव कम होता है। विशेषज्ञों की समीक्षा बताती है कि कई सक्रिय रूप से प्रबंधित लार्ज कैप फंड लंबी अवधि में अपने बेंचमार्क इंडेक्स को पीछे छोड़ने में विफल रहते हैं, जिससे निवेशक कम लागत वाले इंडेक्स फंड्स पर विचार कर सकते हैं। बाजार में बड़ी गिरावट के बाद शेयरों को अपने पुराने स्तर पर लौटने में काफी समय लग सकता है। उदाहरण के लिए, 2008 के आर्थिक संकट के बाद बाजार को उबरने में 5 से 6 साल का लंबा समय लगा था, जबकि 2020 की महामारी के दौरान बाजार कुछ ही महीनों में संभल गया था।

मोबाइल पीएलआई योजना की सफलता-19,000 करोड़ के प्रोत्साहन से 3.25 लाख करोड़ का राजस्व

मुंबई । भारत सरकार द्वारा देश में मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई महत्वाकांक्षी प्रोडक्शन लिंकड इंटेंसिव (पीएलआई) योजना ने अभूतपूर्व सफलता पाई है। इस योजना के तहत मोदी सरकार ने मोबाइल निर्माण क्षेत्र को केवल 19,000 करोड़ का प्रोत्साहन (सब्सिडी) दिया था, इसके बदले सरकारी खजाने में करों के रूप में 3.25 लाख करोड़ की बंपर राशि जमा हुई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने आंकड़े पेश कर योजना की प्रभावशीलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस राजस्व में 25,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर और 3 लाख करोड़ रुपये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में प्राप्त हुए हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री का यह स्पष्टीकरण उन आलोचनाओं के मुंह पर तमाच है जिसमें दावा किया गया था कि करदाताओं के पैसे से दी जाने वाली सब्सिडी की तुलना में मोबाइल कलपुर्जों के आयात पर अधिक खर्च हो रहा है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है, जिसमें से सिर्फ



आईटी के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी एनजी और निफ्टी रियल्टी में भी नकारात्मक रुझान बना रहा, जिससे इन क्षेत्रों से निवेशक दूर रहे। सेंसेक्स पैक के भीतर, एलएंडटी, ट्रेड, एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम जैसे शेयरों ने निवेशकों को लाभ पहुंचाया और मजबूती के साथ बंद हुए। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज,

माइक्रोसॉफ्ट ने 60,000 कर्मचारियों को स्वेच्छिक बायआउट का दिया प्रस्ताव

कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में करेगा निवेश
नई दिल्ली ।

दुनिया की अग्रणी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने लगभग 60,000 कर्मचारियों को स्वैच्छिक बायआउट का प्रस्ताव दिया है। यह कदम माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में भारी निवेश करने और अपनी वर्कफोर्स को बदलती व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप ढालने की रणनीति का हिस्सा है। इस प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी अपनी वर्तमान कुल वर्कफोर्स के लगभग 27 प्रतिशत की भारी कटौती करने जा रही है। यह बायआउट ऑफर अमेरिका,

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में कमी आई है। अमरीकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत फैसलों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशक इस सप्ताह होने वाली फेड की बैठक पर सभी की नजरें बनी हुई हैं। राष्ट्रीय कमोडिटी एवं डेरिवेटिव एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध में शुरुआती कारोबार के दौरान 271 रुपये की गिरावट रही। यह 1,43,867 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला, और बाद में 1,43,650 रुपये के करीब कारोबार करता नजर आया। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। वहीं, चांदी के वायदा भाव में भी कमजोरी रही। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर अनुबंध 617 रुपये टूटकर 1,96,010 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला और आगे चलकर 1,95,650 रुपये के स्तर के आसपास पहुंच गया। चालू वर्ष में चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड उच्च स्तर दर्ज किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं में कमजोरी देखी गई। यहां सोने का वायदा भाव गिरावट के साथ 4,058.70 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 54.15 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। बाजार जानकारों के अनुसार, मौजूदा समय में बाजार में तकनीकी रूप से शॉर्ट कवरीज देखने को मिल रही है, जो कीमतों पर दबाव डाल रही है। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर, सोने को 1,42,740 रुपये के स्तर पर मजबूत सपोर्ट हासिल है, जबकि इसका ऊपरी प्रतिरोध 1,44,900 रुपये पर देखा जा रहा है। यदि कीमतें इस ऊपरी स्तर को पार करने में सफल होती हैं, तो भाव 1,45,670 रुपये तक बढ़ सकते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट ने 60,000 कर्मचारियों को स्वेच्छिक बायआउट का दिया प्रस्ताव

कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में करेगा निवेश
नई दिल्ली ।



भविष्य तलाश रहे हैं। यह कंपनी को अपनी बदलती आवश्यकताओं के अनुसार कर्मचारियों की संख्या को समायोजित करने में भी मदद करेगा। यह इस साल माइक्रोसॉफ्ट का दूसरा बड़ा बायआउट ऑफर है, जो अप्रैल में अमेरिका में 9,000 कर्मचारियों और जुलाई में 4,800 लोगों की छंटनी के बाद आया है। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट

एआई डेटा सेंटर्स और चिप्स पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है। कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में निवेश किया जा रहा है, जिसका अनुमान इस साल 175 अरब डॉलर है। हालांकि, निवेशक इस भारी-भरकम खर्च के बदले अपेक्षित रिटर्न पर सवाल उठा रहे हैं।

जियो की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री, निवेशकों को 21.36फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला
नई दिल्ली ।

निवेशकों को कई दिनों से जिस पल का इंतजार था वो आज यानी बुधवार को आ ही गया। जियो प्लेटफॉर्म की बुधवार को शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। करीब 30,200 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद कंपनी का शेयर सुबह 10 बजे बाजार में डेब्यू किया। जियो प्लेटफॉर्म के शेयर 1,119 रुपए के आईपीओ इश्यू प्राइस के मुकाबले 1,358 रुपए पर लिस्ट हुए, जिससे निवेशकों को 21.36फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग से पहले ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मोमुरा ने जियो प्लेटफार्म पर कवरेज शुरू करते हुए इसे ‘बाय’ रेटिंग दी और 1,340 रुपए प्रति शेयर का टारगेट प्राइस तय किया। ब्रोकरेज का मानना ​​है कि जियो अब सिर्फ बाजार में बदलाव लाने वाली कंपनी नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की अग्रणी कंपनी बन चुकी है। कारोबार के लिहाज से भी जियो प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत परफॉर्म दर्ज किया। कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 14.6फीसदी बढ़कर 1.47 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट प्रॉफिट 15.1% बढ़कर 30,049 करोड़ रुपए पहुंच गया।

पेट्रोल में 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल मिलाने की फिलहाल कोई योजना नहीं-पुरी

इस सीमा को बढ़ाकर 50 या 100 फीसदी करने की खबरें पूरी तरह से आधारहीन
नई दिल्ली ।

पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को लेकर चल रही अटकलों और अफवाहों पर विराम लगाते हुए केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम और ईंधन विभाग के अध्यक्ष आर.एस. प्रसाद ने कहा कि सरकार का पेट्रोल में 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल मिलाने का फिलहाल कोई विचार या योजना नहीं है। एक कार्यक्रम में पुरी ने ई-20 ईंधन से जुड़ी खबरों पर कहा कि बायोप्यूल के संदर्भ में 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखा गया था, जिसे हासिल कर लिया गया है। इस सीमा को बढ़ाकर 50 फीसदी या 100 फीसदी किए जाने की खबरें पूरी तरह से आधारहीन हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस मुद्दे पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक सूचनाओं ही ही ध्यान दें। बता दें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-

आज हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद,जाने अन्य राज्यों में क्या रहेगा हाल

मुंबई । अगर आप 29 अक्टूबर को बैंक जाने की सोच रहे हैं, तब यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार, गुरुवार को कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। मुख्य रूप से,

करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,

पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुड़ी कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज

बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचीथ के त्रौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया,



हनीमून ट्रिप के लिए बेस्ट लोकेशन, कम खर्च में मिलेगा सुकून

भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जोकि हनीमून ट्रिप प्लान करने के लिए खास मानी जाती है। इस जगहों पर आपको मौसम भी ठंडा मिलेगा और खर्च भी अधिक नहीं होगा। ऐसे में आज हम आपको हनीमून प्लान करने के लिए कुछ अच्छी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनीमून ट्रिप का प्लान करने के लिए कपल्स ऐसी जगह की तलाश करते हैं, जोकि कम बजट होने के साथ भीड़भाड़ भी कम हो। बजट में ट्रिप प्लान करने वाले लोगों को लोकेशन के साथ खर्चों का भी ध्यान रखना होता है। यही कारण है कि लोग ट्रिप प्लान करने से पहले बार-बार लोकेशन पर विचार करते हैं। हालांकि भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जोकि हनीमून ट्रिप प्लान करने के लिए खास मानी जाती है। इस जगहों पर आपको मौसम भी ठंडा मिलेगा और खर्च भी अधिक नहीं होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनीमून प्लान करने के लिए कुछ अच्छी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मसूरी



मसूरी में 4 दिन का ट्रिप आप 20 हजार में आराम से पूरा कर सकते हैं। खूबसूरत होने के साथ यहां का मौसम भी ठंडा रहता है। इस जगह की खासियत यह है कि आपको यहां पर हम मौसम में कम भीड़ देखने को मिलेगी। यह उत्तराखंड का बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। आप कम बजट में किसी पहाड़ी जगह पर हनीमून प्लान करने की सोच रहे हैं, तो आपको मसूरी आने का प्लान बनाना चाहिए।

नैनीताल

नैनीताल उत्तराखंड का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर भी आपका ज्यादा खर्च नहीं होने वाला है। इस जगह की खासियत यह है कि यह एक रोमांटिक हिल स्टेशन माना जाता है। अगर आप कम बजट में पहाड़ों, झीलों और शांत वातावरण में हनीमून मनाने का प्लान कर रहे हैं, तो नैनीताल यकीनन बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। 20 हजार के अंदर ट्रिप प्लान करने वाले कपल्स यहां आ सकते हैं।

लैंसडाउन और धनोल्दी

बता दें कि यह दोनों ऐसी जगहें हैं, जहां पर आपको अधिक पर्यटकों की भीड़ देखने को नहीं मिलेगी। इसलिए यह जगह हनीमून ट्रिप के लिए आपको जरूर पसंद आएगी। इन दोनों ही जगहों पर ज्यादा पर्यटक नहीं होते हैं, इसलिए यहां पर आपको होटल आदि भी सस्ते में मिल जाएंगे। आप 4-5 दिन का ट्रिप 20 हजार में आराम से पूरा कर सकते हैं। वहीं अगर आप पार्टनर के साथ सुकून और रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं, तो आप यहां पर आने का प्लान बना सकते हैं।



“

असम राज्य गुवाहाटी और कामाख्या मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के लिए पूरे देश में फेमस है। ऐसे में आज हम आपको असम के चाय बागानों के बीच में स्थित सरलपारा के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी सरलपारा की खूबसूरती देख झूम उठेंगे।

जब भी नॉर्थ ईस्ट इंडिया में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले असम का नाम लेते हैं। यह एक खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है। असम पूर्वोत्तर भारत में स्थित प्राकृतिक सुंदरता, चाय बागानों और जैवविविधता का खजाना है। असम बांग्लादेश और भूटान दोनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को साझा करता है। असम राज्य गुवाहाटी और कामाख्या मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के लिए पूरे देश में फेमस है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको असम के चाय बागानों के बीच में स्थित सरलपारा के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी सरलपारा की खूबसूरती देख झूम उठेंगे।

असम में सरलपारा

असम के कोकराझार जिले में सरलपारा पड़ता है। यह कोकराझार मुख्य शहर से करीब 56 किमी दूर है। यह असम की एक ऐसी जगह है, जो भूटान की सीमा के पास स्थित है। यह जगह पर्यटकों के बीच खासी लोकप्रिय है।

सरलपारा गुवाहाटी से करीब 237

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है सरलपारा गांव, खूबसूरती देख झूम उठेंगे



SARALPARA - INDIA BHUTAN BORDER



पर्यटकों के लिए खास

सरलपारा पर्यटकों के बीच पिकनिक स्पॉट के रूप में फेमस है। यहां पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि असम के दूर-दराज परिवार के साथ भी पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं। वहीं वीकेंड पर भारी संख्या में लोग फैमिली के साथ आते हैं। लोग यहां पर अपने परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के साथ कालिटी टाइम स्पेंड करने पहुंचते हैं। सरलपारा पर्यटकों के बीच एडवेंचर स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर लोग हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैपिंग का शानदार लुफ्त उठाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा यहां पर आप यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने वाली जगहें

बता दें कि यहां के आसपास कई ऐसी मनमोहक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिसकी खूबसूरती आपको मोहित कर सकती हैं। इसके लिए आप यहां पर बोरनोखोरी गांव, बेटीया जंगल, टी गार्डन और गौराग नदी जैसे खूबसूरत जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

त्योहारों की थकान मिटाएं, इन 3 शांत जगहों पर पाएं अद्भुत सुकून

त्योहारों के बाद की थकान और अशांत मन को शांत करने के लिए यह लेख पोस्ट-फेस्टिव वीकेंड पर घूमने के लिए 3 शांत जगहों की सलाह देता है। ऊटी, नैनीताल और ऋषिकेश जैसे ये स्थल प्रकृति, रोमांच और आध्यात्मिक सुकून का अनुभव मिश्रण पेश करते हैं, जो कम बजट में भी मन को ताजगी और आनंद से भर देंगे।

त्योहार के बाद थकान काफी हो जाती



ऊटी, तमिलनाडु

अगर आप दक्षिण भारत की तरफ जाना चाहते हैं, तो साउथ की सबसे बेस्ट जगह ऊटी जा सकते हैं। यहां पर चाय बगान काफी सुंदर देखने को मिलेंगे। इस मौसम में यह हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए

है। ऊपर से मन भी अशांत हो जाता है। अगर आप भी खुद को रिलेक्स करना चाहते हैं, तो आप त्योहार के बाद वीकेंड पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। मन को शांत करने और सुकून वाली जगहों की तलाश है, तो आप इन 3 जगहों पर जरूर जाएं। यहां जाकर आप थकान और चिंता सब भूल जाएंगे और शरीर को भी रिलेक्स पाएंगे। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट-फेस्टिव वीकेंड ट्रिप प्लान के लिए कुछ सुकून वाली जगहों के बारे में बताएंगे।

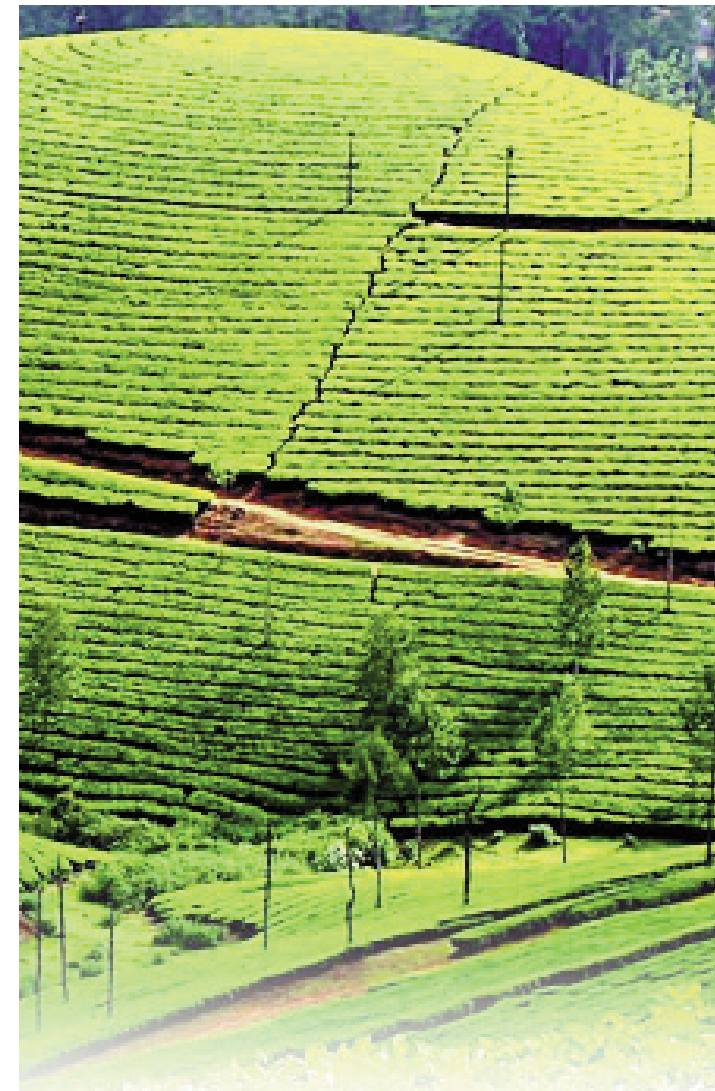
जाना जाता है। आप कम बजट में यहां पर फैमिली और दोस्तों के साथ घूमने जा सकते हैं। नीलगिरी का रत्न कहा जाता है ऊटी, यहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ देखने को नहीं मिलेगी। हरियाली और खूबसूरत झीलों के देख सकते हैं। इस मौसम ऊटी की हवा ताजी और ठंडी होती है, जो दिल और दिमाग दोनों का ताजगी से भर देती है।

नैनीताल, उत्तराखंड

शांति और सुकून वाली जगहों की तलाश कर रहे हैं, तो आप नैनीताल घूमने जरूर जाएं। यहां की खूबसूरत झील, हरियाली और पहाड़ी रास्तों के लिए फेमस माना जाता है। आप यहां पर झील किनारे घंटों बैठ सकते हैं और बोट राइडिंग का मजा भी ले सकते हैं। झील के पास नैचुरल वॉक करना और घोड़े की सवारी करना आपकी ट्रिप को शानदार बना देगा। यहां पर खूबसूरत झरनों का मजा ले सकते हैं। दोस्तों या परिवार के साथ मनाएं ट्रिप।

ऋषिकेश, उत्तराखंड

देश की सबसे शांत और सुकून वाली जगह है ऋषिकेश। यहां पर कितनी भीड़ क्यों न हो, जब आप गंगा किनारे बैठेंगे तो सुकून ही पाएंगे। आप कम बजट में ऋषिकेश घूमने जा सकते हैं।



यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटीज कर सकते हैं। बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, बोट राइडिंग और ट्रेकिंग कर सकते हैं। इतना ही नहीं, यहां पर आप गंगा आरती

लाइव देख सकते हैं। ऋषिकेश में कई फेमस जगहें जहां आप जा सकते हैं जैसे कि परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी घाट और नीलकंठ मंदिर देखने जा सकते हैं।



ब्राजील के चुनाव नतीजों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्राजील में चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लूला की चुनावी जीत ‘धांधली’ वाली लग रही है। ट्रंप ने बिना किसी सबूत के यह टिप्पणी ऐसे में की है जब उनका समर्थन करने वाले प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी फ्लेवियो बोल्सोनारो को हार का सामना करना पड़ा।

बीमार पेड़ उखाड़ फेंको... चुनाव से पहले भ्रष्ट अफसरों को हटाने का शी का संदेश

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2027 में संभावित चौथे कार्यकाल की तैयारी के बीच सतारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अफसरों पर अविश्वास जताते हुए भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ और सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों की तुलना बीमार पेड़ों से करते हुए कहा, इन्हें उखाड़ना या काटना जरूरी है, ताकि हटया जा सके। इससे संकेत मिलते हैं कि शी और सख्त होंगे। शी का जोर इस बात पर है कि अधिकारी पार्टी के आदेशों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने कहा, कुछ अधिकारी सामने से वफादारी दिखाते हैं, लेकिन भीतर से पार्टी नियमों और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक बीजिंग में जारी है। इसमें अगले साल पार्टी महासम्मेलन की तैयारियों की दिशा तय हो सकती है।

फ्रांस में छात्र आक्रोश, अब बदलेंगे एडमिशन के नियम

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि वह 2028 तक अपनी राष्ट्रीय ऑनलाइन विश्वविद्यालय प्रवेश प्रणाली को बदल देगी। यह निर्णय शिक्षा और जीवन यापन की लागतों को लेकर हफ्तों से चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शनों को शांत करने के लिए लिया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री फिलिप बैट्टिस्ट ने 2027 के लिए इस मंच में ‘पर्याप्त बदलाव’ की घोषणा की। छात्र इसकी अस्पष्ट चयन मानदंडों और एपसदीदा पाठ्यक्रमों तक असमान पहुंच की आलोचना कर रहे थे। 17 अक्टूबर को स्कूल फंडिंग और बढ़ती लागतों पर प्रदर्शनों के कारण देश में दंगे और लूटपाट हुई थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने छात्रों की मांगों को पूरा करने की गारंटी ‘ठोस उपायों’ का वादा किया है। सरकार ने 8 अक्टूबर को 3,000 अतिरिक्त शिक्षक तैनात करने की बात भी कही थी। फ्रांस रिकॉर्ड गरीबी और सार्वजनिक ऋण से जूझ रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध: मेलानिया ट्रंप की पहल पर ओलेशकी में स्थानीय संघर्षविराम लागू, 2000 लोगों तक पहुंची मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच मंगलवार तकके स्थानीय स्तर पर संघर्षविराम लागू हो गया। यह कदम अमेरिकी प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप के नेतृत्व में चलाए जा रहे मानवीय सहायता अभियान से पहले उठाया गया है। यूक्रेन के समानानुसार संघर्षविराम सुबह तीन बजे शुरू हुआ। इसका उद्देश्य इस सप्ताह के अंत में दक्षिणी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले ओलेशकी शहर में राहत सामग्री पहुंचाने का रास्ता तैयार करना है। मेलानिया ट्रंप के कार्यालय के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों से मुलाकात के बाद उन्होंने रूस और यूक्रेन के नागरिक वार्ताकारों के साथ बातचीत का नेतृत्व किया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने उन्हें शहर के हालात की जानकारी दी थी। संघर्षविराम शनिवार तक जारी रहने की उम्मीद है। जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच गहरे अविश्वास के कारण पहले भी संघर्षविराम की कोशिशें सफल नहीं हो सकी हैं। ओलेशकी में फंसे करीब 2000 लोग संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, ओलेशकी में करीब 2000 लोग फंसे हुए हैं। वहां भोजन और दवाओं का भंडार लगातार कम हो रहा है। इलाके में जरूरी सुयोगों और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण लोग शहर छोड़कर नहीं जा पा रहे हैं। राहत अभियान से जुड़े वार्ताकारों ने बताया कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए गलियारे खोलने से पहले ओलेशकी में डॉक्टरों, दवाओं, भोजन और पानी की आपूर्ति पहुंचाई जाएगी। ओलेशकी आंशिक रूप से रूस के कब्जे वाले खेरसोन क्षेत्र में स्थित है। यह यूक्रेन की राजधानी कीव से करीब 550 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। यह नीपर नदी रूस और यूक्रेन की सेनाओं के बीच सीमा का काम करती है। रूस की सेना ने 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के पहले ही दिन ओलेशकी पर कब्जा कर लिया था।

चुनाव से पहले एंटी-ट्रंप समूह का इंस्टाग्राम अकाउंट निर्लंबित होने पर विवाद, मेटा पर उठे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले कांग्रेस चुनावों से ठीक पहले मेटा को विपक्षी नेताओं और राज्य के अर्टोनी जनरल्स के सवालों का सामना करना पड़ रहा है। मामला एंटी-ट्रंप संगठन ‘नो किंग्स कोएलिशन’ के इंस्टाग्राम अकाउंट को अस्थायी रूप से निर्लंबित किए जाने से जुड़ा है। इससे राजनीतिक अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। सोमवार को 14 राज्यों के अर्टोनी जनरल्स के एक समूह ने मेटा से पूछा कि 17 अक्टूबर को देशभर में चल रहे विविध प्रदर्शनों के दौरान ‘नो किंग्स कोएलिशन’ का इंस्टाग्राम

अकाउंट क्यों बंद किया गया था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कंपनी ने क्या कदम उठाए हैं। इससे पहले 22 अक्टूबर को पांच डेमोक्रेटिक सीनेटर्स ने मेटा के सीईओ मार्क ज़uckerबर्ग को पत्र लिखकर कंपनी की स्वचालित कंटेंट मॉड्रेशन प्रणाली के बारे में सवाल पूछे थे। उन्होंने चिंता जताई थी कि कहीं राजनीतिक संगठनों को गलती से निशाना तो नहीं बनाया जा रहा। मेटा ने स्वीकार किया है कि अकाउंट का निलंबन एक गलती थी। कंपनी के अनुसार, अकाउंट पर अचानक बहुत ज्यादा गतिविधि होने लगी थी, जिसे उसके सिस्टम ने संदिग्ध या स्वचालित गतिविधि समझ लिया।

दौरान अपने समर्थकों तक संदेश नहीं पहुंचा सका और जरूरी जानकारी साझा करने में उसे कठिनाई हुई। अर्टोनी जनरल्स के अनुसार, मेटा ने बताया कि अकाउंट पर असामान्य रूप से बड़ी गतिविधि उसके सिस्टम को बॉट्स (स्वचालित अकाउंट) जैसी लगी, इसलिए यह कार्रवाई हुई। हालांकि, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि कंपनी ने समूह को उसकी राजनीतिक विचारधारा की वजह से जानबूझकर निशाना बनाया हो। कनेक्टिकट के अर्टोनी जनरल विलियम टोंग ने इस गठबंधन को नेतृत्व किया। इसमें कैलिफोर्निया, मैरीलैंड, न्यूयॉर्क, मैसाचुसेट्स और वाशिंगटन सहित कई राज्यों के

अर्टोनी जनरल शामिल थे। इन अधिकारियों ने मेटा से पूछा कि कंपनी को इस निलंबन की जानकारी कब मिली, यह फैसला कैसे लिया गया और अकाउंट को बहाल करने के लिए क्या कदम उठाए गए। उन्होंने यह भी जानकारी मांगी कि क्या इस प्रक्रिया में मानव समीक्षकों (ह्यूमन रिव्यूअर्स) की कोई भूमिका थी और क्या चुनाव से जुड़े अन्य वैध अकाउंट भी इसी तरह प्रभावित हुए थे। कैलिफोर्निया के अर्टोनी जनरल रॉब बोंटा ने कहा कि सोशल मीडिया आज राजनीति संबंद का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा, ‘कैलिफोर्निया के लाखों लोग

संगठित होने, खबरें पढ़ने और आने वाले चुनावों से जुड़ी जानकारी पाने के लिए सोशल मीडिया पर निर्भर हैं।’ बोंटा के अनुसार, यह निलंबन ऐसे समय हुआ जब ‘नो किंग्स कोएलिशन’ लोगों को अभिमत मतदान (अल्टी वोटिंग) के लिए प्रेरित करने का अभियान चला रही थी। अर्टोनी जनरल्स ने मेटा से 29 अक्टूबर तक जवाब देने को कहा है, जो कांग्रेस चुनावों से पांच दिन पहले की तारीख है। राज्य अधिकारियों की इस कार्रवाई से पहले डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस वैन होलेन, रॉन वायडन, जेफ मकंली, रिचर्ड ब्ल्यूमैथल और क्रिस मर्फी भी मेटा को पत्र लिख चुके थे।

भारत ने यूएनएससी में ‘डी फैक्टो वीटो’ पर उठाए सवाल



‘आईजीएन के लिए आधारभूत निर्णय है, बिस्कुल स्पष्ट है: इसका मुख्य सिद्धांत ‘अधिकतम राजनीतिक स्वीकृति’ है, न कि ‘आम सहमति’। उन्होंने बताया कि बातचीत के 17 दौर पूरे होने के बाद भी, ‘हमारे पास दिखाने के लिए कोई नतीजा नहीं है।’ इसका कारण वह ‘व्यावहारिक वीटो’ है, जिसका आईजीएन को बनाने वाले प्रस्ताव में कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापक सुधारों की शुरुआत के लिए ‘स्पष्ट समय-सीमा और लक्ष्यों के साथ, मसौदे पर आधारित बातचीत को जल्द शुरू करना’ जरूरी है। इसके अलावा कुछ ऐसे गुप्त वीटो भी हैं जिन्हें संयुक्त राष्ट्र चार्टर में मान्यता नहीं मिली है, फिर भी कुछ अहम मामलों में गैर-स्थायी सदस्यों को भी इनका इस्तेमाल करने दिया जाता है। इस ओर इशारा करते हुए

हरीश ने कहा, ‘वीटो सिर्फ वह नहीं है जिसका इस्तेमाल खुले तौर पर किया जाता है। इसके अलावा एक डी फैक्टो वीटो भी होता है, जो सुरक्षा परिषद के हर सदस्य-चाहे वह चुना गया हो या नहीं-के पास होता है। इसका इस्तेमाल वे अध्यक्षीय बयानों, प्रेस बयानों और प्रतिबंध समितियों के फैसलों पर कर सकते हैं।’ ऐसा इसलिए है क्योंकि ‘आम सहमति के ‘अलिखित नियम’ के तहत, कोई भी एक सदस्य किसी प्रस्ताव को रोक सकता है, और अक्सर इसके लिए उसे कोई कारण भी नहीं बताना पड़ता।’ चीन ने कई बार प्रतिबंध समिति की गुप्त बैठकों में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों - जैसे लश्कर-ए-तैयबा के जकी-उर-रहमान लखवी और शाहिद महमूद, तथा जैश-ए-मोहम्मद के साजिद मीर और मसूद अजहर - पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों को रोका है।

हरीश ने व्यापक सुधारों की वकालत करते हुए कहा, ‘सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता, वैधता और प्रभावशीलता से जुड़े सवालों का जवाब सिर्फ वीटो को मैनज करने से नहीं मिलेगा। इन सुधारों में परिषद का विस्तार करना और नए स्थायी सदस्य शामिल करना भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘इन सवालों का जवाब एक ऐसी परिषद से मिलेगा जो अपने उद्देश्य के लिए पूरी तरह

उपयुक्त हो, जिसकी संरचना आज की वास्तविकताओं को दर्शाती हो, न कि आठ दशक पहले हुए युद्ध के नतीजों को। हरीश ने बताया कि भारत ने एक ‘सिद्धांत-आधारित रुख’ अपनाया है, जिसके अनुसार सुधारों के जरिए स्थायी सदस्य के रूप में शामिल होने वाले किसी भी देश के पास वीटो का अधिकार भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘हम फिर दोहराते हैं कि जब तक वीटो का प्रावधान मौजूद है, तब तक एक सुधारी गई परिषद के सभी स्थायी सदस्यों के पास यह अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ‘निष्पक्षता और न्याय की यही मांग है।’ हरीश ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की नई ‘दूसरे दर्जे’ (सेकंड क्लास) की श्रेणियां बनाने के विचार को भी खारिज कर दिया - जैसे कि लंबे कार्यकाल वाले सदस्य या बिना वीटो अधिकार वाले स्थायी सदस्य। उन्होंने कहा कि ‘इससे सुधारों पर चल रही पहलें से ही कठिन चर्चा और अधिक जटिल हो जाएगी, और यह उस असमानता को और गहरा कर देगा जिसे हम दूर करना चाहते हैं।’ हरीश इस विचार को लेकर भी संशय में थे कि सुरक्षा परिषद में वीटो का इस्तेमाल करने वाले देशों को महासभा के सामने आकर अपने कदम के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए।

फार्गो बैंक, गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टैनली के मुख्य अधिकारियों को भेजे गए। इसके अलावा टेक्सास के ह्यूस्टन, कॉर्पस क्रिस्टी और ब्यूमोंट बंदरगाहों तथा न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी पोर्ट अथॉरिटी के प्रमुखों को भी पत्र भेजे गए। सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप की 9 अक्टूबर की घोषणा और अमेरिकी वित्त मंत्रालय के जनरल लाइसेंस 135 का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2022 के ‘पुंछा इम्पोटेशन ऑफ रशियन ऑयल एक्ट’ के तहत आम तौर पर रूसी ऊर्जा उत्पादों के आयात पर रोक है, जब तक कि राष्ट्रपति कांग्रेस को यह सदस्यों जीन शाहीन, रॉन वाइडन, शेल्डन व्हाइटहाउस, क्रिस कून्स, एलिजाबेथ वॉरेन और रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस तथा प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स की ओर से भेजे गए थे। समिति ने सोमवार को इन पत्रों को सार्वजनिक किया। लॉमिकर्स ने अपने पत्र में लिखा कि अमेरिका में रूसी डीजल का कोई भी आयात गंभीर कानूनी सवाल खड़े करता है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई या संसदीय जांच हो सकती है। उन्होंने कहा, ‘जो कंपनियां अमेरिकी कानून का उल्लंघन करते हुए उत्पाद आयात करती हैं, वे खुद को आपराधिक और दीवानगी दोनों तरह की कानूनी जिम्मेदारियों के जोखिम में डाल सकती हैं।’ ये पत्र जेपी मॉर्गन चैपे, बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप, वेल्स

कॉरपो। ट्रंप लंबे समय से अमेरिकी

चुनावों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहे हैं। सोमवार की बातचीत के दौरान उन्होंने विदेशों में हुए चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ब्राजील में वोटों की गिनती ‘ठीक नहीं दिखी’। वहीं इजरायल के चुनावों में दो उम्मीदवारों का समर्थन करने के अपने फैसले का भी उन्होंने बचाव किया। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वह चुनाव से पहले मतदाताओं को डराने के लिए कानून-प्रवर्तन एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहा है। कई राज्यों के चुनाव अधिकारियों का कहना है कि गैर-नागरिकों की ओर से मतदान के मामले बेवध कम सामने आते हैं। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की एक-तिहाई सीटों का भविष्य तय होगा। देशभर में कई भारतीय-अमेरिकी उम्मीदवार भी इन चुनावों में मैदान में हैं।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, नॉर्दर्न मरियाना आइलैंड में चीनी पर्यटकों की वीजा-फ्री यात्रा सस्पेंड

वाशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप प्रशासन एक ऐसे कार्यक्रम को निर्लंबित कर रहा है, जिसके तहत पहले से जांचे-परखे चीनी नागरिकों को बिना वीजा के नॉर्दर्न मरियाना आइलैंड्स जाने की अनुमति थी। प्रशासन ने इसके पीछे अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास जासूसी के जोखिम, गुआम की ओर अवैध यात्रा और ‘बर्थ टूरिज्म’ जैसे कारणों का हवाला

दिया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के इस नोटिस पर होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन के हस्ताक्षर हैं। इसके मुताबिक, ‘कॉमनवेल्थ ऑफ द नॉर्दर्न मरियाना आइलैंड्स’ (सीएनएमआई) के ‘इकोनॉमिक वाइटेलिटी एंड सिक्योरिटी ट्रेवल ऑथराइजेशन प्रोग्राम’ (ईवीएस-टीएपी) को 30 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे (ईडीटी) से निर्लंबित कर दिया गया है। यह नए आवेदकों और ‘पहले से स्वीकृत उन यात्रियों, जिनके पास मौजूद ईवीएस-टीएपी ट्रेवल ऑथराइजेशन है,’ दोनों पर लागू होता है। इस कार्यक्रम के तहत पहले से ही सीएनएमआई में मौजूद चीनी नागरिक अपनी स्वीकृत अवधि तक वहां रह सकते हैं, लेकिन ‘भविष्य की किसी भी यात्रा के लिए उन्हें वीजा लेना होगा। नोटिस में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025 में, ‘3,000 से अधिक पीआरसी (चीन) नागरिकों ने सीएनएमआई में प्रवेश करने के लिए ईवीएस-टीएपी का उपयोग किया।’ इन यात्रियों की जांच ‘विदेश विभाग के कांसुलर अधिकारी’ के बजाय



‘यूएस स्टेट्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन’ द्वारा की गई थी। नोटिस में कहा गया है कि ‘डीएचएस का मानना ​​है कि पीआरसी नागरिक ईवीएस-टीएपी का दुरुपयोग कर रहे हैं।’ इसमें आगे कहा गया है कि बिना वीजा के प्रवेश करने वालों की इतनी बड़ी संख्या ‘सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के लिए अस्वीकार्य जोखिम’ पैदा करती है। विभाग ने कहा कि इस कार्यक्रम का ‘उपयोग पीआरसी की जासूसी और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए किया जा सकता है, जो इस क्षेत्र में अमेरिका के संवेदनशील रक्षा बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकती है।’ इसमें बताया गया है कि रक्षा विभाग ‘टिनियन एयर बेस’ को फिर से तैयार कर रहा है, जबकि पास के गुआम में कई ऐसे सैन्य ठिकाने हैं जो ‘अमेरिका की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण’ हैं। हालांकि ईवीएस-टीएपी के तहत चीनी आगंतुकों को सीएनएमआई से आगे जाने की अनुमति नहीं थी, लेकिन नोटिस में कहा गया है कि ‘तत्करी वाले जहाजों पर सवार होकर सीएनएमआई से गुआम तक अवैध रूप से यात्रा करने की क्षमता है।’ इसमें मार्च 2024 और फरवरी 2025 के दो मामलों का हवाला दिया गया है।



बेहतर होंगी और क्या इस संदेश को उनकी सभी चुनावी रैलियों में दोहराया जाना चाहिए। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, ‘मुझे लगता है कि हां, हम ऐसा कर रहे हैं और हमने उस प्रक्रिया की शुरुआत भी कर दी है।’ हालांकि, व्हाइट हाउस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि इनाम की राशि किस तरह दी जाएगी, कौन सी एजेंसी इसका संचालन करेगी या इसके लिए कानूनी आधार क्या होगा। अमेरिका में संघीय चुनावों में गैर-नागरिकों की ओर से मतदान करना

दिल्ली दंगा 2020 : मोहसिन हत्याकांड में 5 दोषियों की 7 साल की कैद बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान 22 वर्षीय मोहसिन की हत्या के मामले में पांच दोषियों की सजा को बरकरार रखकर उनकी अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अमन कश्यप, देवेंद्र कुमार, प्रदीप राय, आशीष और अरुण कुमार को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की कैद और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा को सही ठहराया। निचली अदालत ने इन दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 148 (घातक हथियारों से दंगा करना) के तहत दोषी ठहराया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में प्रत्यक्षदर्शी के बयान को महत्वपूर्ण माना, जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता हथियारों से लैस भीड़ में सबसे आगे थे और उन्होंने अन्य लोगों को मोहसिन पर हमला करने के लिए उकसाया था। दोषियों ने दलील दी थी कि उनके खिलाफ आरोप संदेह से परे साबित नहीं हुए और स्वतंत्र गवाहों ने अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया। हालांकि, अदालत ने दलीलों को खारिज किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर वे बरी होने का दावा नहीं कर सकते कि भीड़ के किस सदस्य ने पीड़ित के सिर पर जानलेवा चोट पहुंचाई थी। अदालत ने कहा कि साक्ष्य केवल भीड़ में अपीलकर्ताओं की मौजूदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सक्रिय रूप से दूसरों को उकसा रहे थे। उच्च न्यायालय ने निकर्ष निकाला कि 25 फरवरी, 2020 को चांद बाग इलाके में मोहसिन पर हमला करने वाली दंगाई भीड़ का साझा गैरकानूनी उद्देश्य उसे शारीरिक चोट पहुंचाना था, जिससे उसकी मौत हुई। निचली अदालत ने भी अपने फैसले में इन तथ्यों को साबित पाया था।

अंग्रेजी कमजोर होने पर वेटर को थप्पड़, ताज होटल ने ग्राहक पर लिया कड़ा एक्शन

आगरा। आगरा के ताज होटल में घटना सामने आई है, जहाँ एक ग्राहक ने कथित तौर पर वेटर कांति को सिर्फ इसलिए थप्पड़ मार दिया, क्योंकि वह अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल सका था। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ने घटना और होटल द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण साझा किया। यह मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। होटल कर्मचारी के मुताबिक, वेटर कांति होटल के रेस्टोरेंट में एक ग्राहक को खाना सर्व कर रहे थे। बातचीत के दौरान अंग्रेजी को लेकर कुछ गलतफहमी हुई। कांति अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते थे, और इसी बात पर ग्राहक ने कथित तौर पर अपना आपा खो दिया और उन्हें थप्पड़ मार दिया। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर के लिए यह घटना बेहद हैरान करने वाली थी, क्योंकि कांति केवल अपना काम कर रहे थे और एक छोटी सी गलतफहमी के बाद उनके साथ ऐसा बर्ताव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ग्राहक को होटल कर्मचारी के साथ बदसलूकी करने या हाथ उठाने का अधिकार नहीं है।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर :

गोल्ड मेडलिस्ट शूटर का बेखौफ अंदाज

लखनऊ। लखनऊ में हुए सनसनीखेज ट्रिपल मर्डर का आरोपी ऋषभ शुक्ला, वारदात के बाद भी अपनी बेखौफ हरकतों से सभी को हैरान कर गया। तीन लोगों की हत्या करने के बाद वह एक हाथ में पिस्टल और दूसरे में लंगजीन लिए घर के बाहर ही बैठा रहा, घायलों की मदद के लिए आने वालों को भी गोली मारने की धमकी दी, जिससे पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। पुलिस अधिकारी और आम लोग, हर कोई इस बात से स्तब्ध था कि एक अकेला व्यक्ति कैसे तीन लोगों की जान ले सकता है। इसके पीछे उसकी विशेष ट्रेनिंग और शूटिंग का अनुभव प्रमुख वजह है। ऋषभ एक गोल्ड मेडलिस्ट शूटर है और हथियार चलाने की विशेष ट्रेनिंग मिली हुई थी। गोली चलाने के उसके सघे हुए अंदाज और अचूक निशाने ने सभी को हैरान कर दिया।

अखिलेश का आरोप.... भाजपा वोट से नहीं, बल्कि खोट से चुनाव जीत रही

लखनऊ , एजेंसी।

उत्तरप्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणामों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट से नहीं, बल्कि खोट से चुनाव जीत रही है, और मतगणना में धांधली व साजिश करके सपा प्रत्याशियों को हारने का प्रयास किया। सपा प्रमुख अखिलेश ने विशेष रूप से गोरखपुर में सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी की हार को मतगणना में धांधली और साजिश का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट भाजपाइयों और सलिस अधिकारियों ने एमएलसी चुनाव जीतने की सभी हदें पार कर दीं। डॉ. त्रिपाठी की हार का कारण केवल उनका सपा उम्मीदवार होना नहीं, बल्कि हाता नहीं



भाता की सोच है। अखिलेश ने दावा किया कि शिक्षकों से चारा इकट्ठा कराया गया और शिक्षक समाज डॉ. त्रिपाठी के उत्पीड़न और उनके आंसुओं को कभी नहीं भूलेगा।

आधिकारिक परिणामों के अनुसार, भाजपा ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, समाजवादी पार्टी ने भी दो महत्वपूर्ण सीटों पर सफलता हासिल की है। वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र

पैरोल उल्लंघन: आसाराम पर जोधपुर में दर्ज हुआ मामला

जोधपुर, एजेंसी। नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के खिलाफ जोधपुर पुलिस ने मेडिकल पैरोल खत्म होने के बाद तय समय पर जेल न लौटने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आसाराम कोइ 20 दिनों की मेडिकल पैरोल मिली थी, जिसकी अवधि समाप्त होने के बावजूद उन्होंने समय-सीमा के भीतर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण नहीं किया। पुलिस के अनुसार, आसाराम को 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में वापस आना था। हालांकि, वह तय समय से कई घंटे बाद, रात 10-40 बजे इंदौर से एयर एम्बुलेंस के द्वारा जोधपुर पहुंचे। यह कार्रवाई जेल गार्ड बनवारीलाल की शिकायत पर 27 अक्टूबर को प्रिजन्स एक्ट (जेल अधिनियम) की धारा 58बी के तहत की गई है। मामले की जांच अस्सिस्टेड सब-इंस्पेक्टर भवानी सिंह को सौंपी गई है। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 अक्टूबर को 20 दिनों की मेडिकल पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हुई थी। उनकी कानूनी टीम ने पैरोल बढ़ाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए उन्हें तय समय-सीमा के भीतर जोधपुर सेंट्रल जेल वापस जाने का निर्देश दिया था। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों से आसाराम उज्जैन के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे, जिसके बाद उन्हें एयर एम्बुलेंस से जोधपुर लाया गया। देर रात जेल पहुंचने के कारण जेल प्रशासन ने उन्हें तुरंत अंदर नहीं लिया और उन्हें भगत की कोठी इलाके के एक अस्पताल भेज दिया गया। बुधवार को उन्हें वापस जेल लाए जाने की उम्मीद है। आसाराम को अगस्त 2013 में जोधपुर स्थित उनके आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

जलकूटनीति: भारत की पाकिस्तान, बांग्लादेश को दो टूक... पानी के बदले शांति देना होगा जियोस्ट्रैटजिस्ट ने दिया इजरायल-जॉर्डन मॉडल का उदाहरण

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत ने अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ जल-साझाकरण समझौतों को लेकर बड़ा रणनीतिक बदलाव लाने का संकेत दिया है। अब वह पानी को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि शांति और सुरक्षा स्थापित करने के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देख रहा है। जियोस्ट्रैटजिस्ट ब्रह्मा चेलानी ने इस बारे में इजरायल और जॉर्डन के बीच अपनाए गए मॉडल को भारत के लिए अपनाने का सुझाव दिया है, जहाँ जल-बंटवारा व्यापक शांति समझौते का अभिन्न अंग है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी का मानना ​​है कि भारत को नदियों के ऊपरी हिस्से में स्थित होने का लाभ उठाना चाहिए और पानी को शांति व सुरक्षा के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। उनका सुझाव है कि इजरायल-जॉर्डन मॉडल एक उपयोगी टेम्पलेट

पेश करता है, क्योंकि यह जल बंटवारे को एक बड़े शांति और सुरक्षा ढांचे से जोड़ता है। इस मॉडल के तहत, इजरायल और जॉर्डन के बीच 1994 की शांति संधि का हिस्सा है, जिसके तहत दोनों देश जल बंटवारे के लिए पारस्परिक रूप से निर्भर हैं। जॉर्डन जानता है कि यदि वह शांति शर्तों का उल्लंघन करता है, तब इजरायल उसके लिए जल संबंधी चुनौतियाँ खड़ी कर सकता है। वहीं, इजरायल भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जॉर्डन के साथ सहयोग बनाए रखने को महत्वपूर्ण मानता है। कुल मिलाकर, जल बंटवारे को शांति प्रक्रिया के भीतर ही संस्थागत रूप दिया गया है।

भारत की रणनीतिक परिस्थितियाँ इजरायल से भिन्न हैं, इसलिए इस मॉडल को सीधे नकल करने के बजाय क्षेत्रीय भौगोलिक और रणनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप बदलाव की

आवश्यकता होगी। भारत का मानना ​​है कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि अनिश्चितकाल के लिए की थी, लेकिन पड़ोसी देश ने इसके बावजूद 1960 की संधि के पांच साल बाद ही भारत पर हमला किया और तब से आतंकवाद व छत्र युद्ध का सिलसिला कभी रुका नहीं। इस तरह, बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि 12 दिसंबर, 2026 को समाप्त हो रही है। इस समझौते के समय से अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं, और वहां भी कट्टरपंथी ताकतों का दबदबा बढ़ रहा है जो भारत-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। भारत के लिए ऐसी परिस्थितियों में गंगा जल संधि को यूं ही आगे बढ़ाना आसान नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2016 के आतंकी हमले के बाद पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकता की नीति अपनाकर सिंधु



जल समझौते पर एक तरह से रोक लगा दी है। भारत अपने संप्रभु फैसले और बुलंद हौसले से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी के अनुसार, यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश चाहते हैं कि भारत निचले बहाव वाले देश के साथ नदी जल को

लंबे समय तक साझा करने पर सहमत हो जाए, तब उन्हें शांति के लिए जल की नई व्यवस्थाओं के तहत शांति बनाए रखने के इस्तरह के ठोस वादे स्वीकार करने होंगे, जिन्हें अमल में लाना आसान हो।

आज का बांग्लादेश झूठे मुकदमों और मानवाधिकारों के उल्लंघन वाला देश बन गया

-शेख हसीना ने रहमान सरकार पर राजनीतिक विरोधियों के दमन का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि देश में -बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ, तलाशी अभियान और लोगों को प्रताड़ित करने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पीएम तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार पर राजनीतिक विरोधियों का दमन करने का भी आरोप लगाया। शेख हसीना ने बांग्लादेश अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि आज का बांग्लादेश झूठे मुकदमों और मानवाधिकारों के उल्लंघन वाला देश बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में न तो कानून का राज है, न लोगों के अधिकार सुरक्षित हैं और न ही आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित है। शेख हसीना ने आरोप लगाया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ ??देश के कई इलाकों में सामूहिक छापेमारी और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रही हैं। उन्होंने कहा कि हर दिन 5,000 से 7,000 लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। हसीना ने कहा कि बांग्लादेश के लोगों को उनके बुनियादी अधिकारों और कानूनी संरक्षण की गारंटी दी



जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धांधली से हुए चुनाव के जरिए सत्ता में आई सरकार ने स्पष्ट रूप से देश से अवामी लीग का सफाया करने का अभियान शुरू कर दिया है। बीएनपी सरकार के आर्थिक प्रबंधन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि देश में गैस, बिजली, ईंधन उर्वरकों की कमी है। उन्होंने कहा कि जरूरी वस्तुओं की कीमतें और बेरोजगारी बढ़ रही है,

मीलों और कारखाने बंद हो रहे हैं और निवेश की छति धीमी हो गई है। बता दें बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त, 2024 को शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इसके बाद वह देश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह यहीं रह रही हैं।

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र : संशोधित खनन कानून और एसआईआर पर चर्चा

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार ने संशोधित खनन कानून और मतदाता सुचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर व्यापक चर्चा के लिए 25 नवंबर से विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगमों विभागी के अपर मुख्य सचिव, वंदना दौदेल ने पुष्टि कर बताया कि सत्र 25 और 26 नवंबर को चलेगा। राज्य का सत्तारूढ़ गठबंधन केंद्र द्वारा पारित खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम तथा मतदाता सुचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का लगातार विचार कर रहा है। मुख्यमंत्री सोरेन ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि एमएमडीआर अधिनियम और एसआईआर को लेकर उत्पन्न मौजूदा स्थिति पर विस्तृत चर्चा जरूरी है, इसलिए संक्षिप्त सत्र बुलाया गया है।

महाराष्ट्र में सूखे की मार, सहकारी संस्थाओं के चुनाव स्थगित

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने खरीफ 2026 सीजन में व्यापक सूखे की स्थिति को देखकर राज्य की 304 सूखा प्रभावित तहसीलों में सभी पात्र सहकारी समितियों के चुनाव तत्काल प्रभाव से स्थगित किए हैं। यह फैसला एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के माध्यम से घोषित किया गया। महायुति सरकार ने सूखा प्रबंधन संहिता 2016 के तहत मूल्यांकन और क्षति आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर पहले 265 तहसीलों में सूखे की स्थिति की पहचान की थी, जो अब बढ़कर राज्य भर में 304 तहसीलों तक पहुंच गई हैं। महायुति सरकार ने बताया कि गंभीर सूखे की स्थिति के कारण राजस्व, कृषि और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न सरकारी विभाग बड़े पैमाने पर राहत कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। चुनाव प्रक्रिया जारी रखने से महत्वपूर्ण प्रशासनिक कर्मचारी और अधिकारी आवश्यक सूखा राहत प्रयासों से हट जाते, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में बाधा आती। साथ ही, चुनाव में भाग लेने से सूखाग्रस्त इलाकों में रहने वाले किसानों और सदस्यों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ता। हालांकि, इस स्थान से कुछ श्रेणियों को छूट दी गई है। इनमें सहकारी हाउसिंग सोसायटी, वे

समितियाँ जहाँ उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से चुनाव कराने का आदेश दिया है, और वे समितियाँ शामिल हैं जहाँ सरकारी प्रस्ताव की तारीख से पहले ही चुनाव प्रक्रिया का नामांकन चरण शुरू हो चुका था। उदाहरण के तौर पर, राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के चुनाव भी प्रभावित हुए हैं। अहिल्यानगर डीसीसीबी में 21 में से 11 सीटें पहले ही निर्विरोध चुनी जा चुकी थीं, जबकि शेष 10 सीटों के चुनाव अब छह महीने के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। इसी तरह, सतारा डीसीसीबी में भी 21 में से नौ सीटें निर्विरोध चुनी गई थीं और अब 12 सीटों के चुनाव टाल दिए गए हैं। राज्य सरकार ने पहले ही 25 दिसंबर और 14 अक्टूबर के सरकारी प्रस्तावों के तहत 304 प्रभावित तहसीलों के लिए व्यापक राहत पैकेज लागू किए हैं। इन उपायों में फसल ऋण पुनर्गठन, कृषि ऋण वसूली का निलंबन, कृषि पंपों के मौजूदा बिजली बिलों में छूट, टैंकरों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था, पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता और रोजगार गारंटी योजना के तहत रोजगार का विस्तार शामिल है।

राकांपा ने मुंबई की कमान जीशान सिद्दीकी को सौंपी, उमेश पाटिल बने राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने अपनी मुंबई इकाई का अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य जीशान सिद्दीकी को नियुक्त किया है, जबकि उमेश पाटिल को पार्टी का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह घोषणा राकांपा प्रमुख और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने की। दिवंगत बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए सुनेत्रा पवार और वरिष्ठ नेता पार्थ पवार का आभार व्यक्त किया। सिद्दीकी ने कहा कि उनका लक्ष्य मुंबई में पार्टी का विस्तार करना और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाना है। उन्होंने दिवंगत अजित पवार और अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। सुनेत्रा ने दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास देवगिरि में आयोजित समारोह में दोनों नेताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर पार्टी के अन्य नेता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। सुनेत्रा पवार ने विश्वास जताया कि पाटिल और सिद्दीकी दिवंगत अजित पवार के आदर्शों, दृष्टिकोण और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगे। जीशान अक्टूबर 2024 में अपने पिता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ दिनों बाद राकांपा में शामिल हुए थे। पार्टी ने उसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें बांद्रा सीट से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरुण सरदेसाई से हार गए थे। बाद में, वे मई 2026 में विधान परिषद सदस्य बने।



इयूटी, पोस्टिंग या करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, खाली पदों को भरना, इयूटी और आराम का संतुलन बनाना, समय पर छुट्टी और पदोन्नति सुनिश्चित करना, तथा एक भयमुक्त शिकायत प्रणाली विकसित करना अत्यंत आवश्यक है ताकि जवानों को मानसिक सुरक्षा मिल सके और ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।



जल समझौते पर एक तरह से रोक लगा दी है। भारत अपने संप्रभु फैसले और बुलंद हौसले से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी के अनुसार, यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश चाहते हैं कि भारत निचले बहाव वाले देश के साथ नदी जल को

लंबे समय तक साझा करने पर सहमत हो जाए, तब उन्हें शांति के लिए जल की नई व्यवस्थाओं के तहत शांति बनाए रखने के इस्तरह के ठोस वादे स्वीकार करने होंगे, जिन्हें अमल में लाना आसान हो।